UGSY SYLLABUS

UGSY -1 01

समाज का अध्ययन

उद्‌भव, परिभाषा, प्रकृति एवं अध्ययन क्षेत्र (खण्ड–1)

इकाई – 1. उद्‌भव, परिभाषा, प्रकृति एवं अध्ययन क्षेत्र

इकाई – 2. समाजशास्त्र एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध एवं अन्तर

इकाई – 3. संकल्पना एवं विशेषताएं

इकाई – 4. समाज के प्रकार : परम्परागत, आधुनिक एवं उत्तर आधुनिक समाज

समूह और संस्थाएं (खण्ड–2)

इकाई – 5. अवधारणा, विशेषताएं एवं प्रकार : (प्राथमिक, द्वैतीयक, अनौपचारिक, औपचारिक तथा संदर्भ समूह)

इकाई – 6. समिति एवं संस्था : अवधारणा एवं विशेषताएं

इकाई – 7. परिवार एवं इसके प्रकार

इकाई – 8. विवाह एवं नातेदारी : प्रकृति एवं प्रकार

समाजीकरण तथा शिक्षा (खण्ड–3)

इकाई – 9. समाजीकरण, अवधारणा एवं प्रकृति

इकाई – 10. समाजीकरण के अभिकरण : प्राथमिक एवं द्वैतीयक

इकाई – 11. अनौपचारिक शिक्षा एवं समाजीकरण

आर्थिक व्यवस्था (खण्ड–4)

इकाई – 12. अर्थव्यवस्था : प्रकृति और प्रकार

इकाई – 13. कृषि अर्थव्यवस्था

इकाई – 14. ओद्योगिक अर्थव्यवस्था

इकाई – 15. उत्तर ओद्योगिक अर्थव्यवस्था

UGSY –1 02

भारत में समाज

सामाजिक संरचना : ग्रामीण एवं शहरी (खण्ड–1)

इकाई – 1. एकता और विविधता

इकाई – 2. ग्रामीण सामाजिक संरचना

इकाई – 3. गांव और बाहरी दुनिया

इकाई – 4. शहरीकरण के विन्यास

इकाई – 5. शहरी सामाजिक संरचना

परिवार, विवाह और नातेदारी (खण्ड–2)

इकाई – 6. परिवार और उसके प्रकार

इकाई – 7. विवाह और उसके बदलते विन्यास

इकाई – 8. नातेदारी – I

(उत्तर भारत में नातेदारी)

इकाई – 9. नातेदारी – II

(दक्षिण भारत में नातेदारी तथा उत्तर एव दक्षिण भारतीय नातेदारी की तुलना)

अर्थव्यवस्था एवं राज्यतंत्र (खण्ड–3)

इकाई – 10. ग्रामीण अर्थव्यवस्था

इकाई – 11. शहरी अर्थव्यवस्था

इकाई – 12. गरीबी : ग्रामीण और शहरी

इकाई – 13. राष्ट्रीय राजनीति

इकाई – 14. क्षेत्रीय एवं प्रादेशिक राजनीति

UGSY –1 03

समाजशास्त्रीय सिद्धान्त

प्रारम्भिक समाजशास्त्र (खण्ड–1)

इकाई – 1. यूरोप में समाजशास्त्र का उदय

इकाई – 2. समाजशास्त्र के संस्थापक -I

(अगस्त कोन्त)

इकाई – 3. समाजशास्त्र के संस्थापक -II

(जार्ज सिमेल, विल्फ्रेड परेटो, थर्सटीन बेवलेन)

इकाई – 4. भारत में समाजशास्त्र का इतिहास और विकास -I

(भारत में समाशास्त्रीय चिन्तन की पृष्ठभूमि)

इकाई – 5. भारत में समाजशास्त्र का इतिहास और विकास -II

(स्वतंत्रता के उपरान्त भारत में समाशास्त्र का इतिहास एवं विकास)

कार्ल मार्क्स (खण्ड–2)

इकाई – 6. ऐतिहासिक भौतिकवाद

इकाई – 7. उत्पादन की शक्तियॉ, संबंध एवं प्रणाली

इकाई – 8. वर्ग एवं वर्ग संधर्ष

इकाई – 9. द्वंद्वात्मकता एवं सामाजिक परिवर्तन

एमिल दर्खाइम (खण्ड–3)

इकाई – 10. समाजशास्त्र विज्ञान के रूप में

इकाई – 11. तुलनात्मक अध्ययन

इकाई – 12. सामूहिक प्रतिनिधान

इकाई – 13. एकात्मकता के प्रकार

मैक्स वेबर (खण्ड–4)

इकाई – 14. आदर्श प्ररूप

इकाई – 15. धर्म और आर्थिकी प्रोटेस्टेण्ट इथिक्स एण्ड स्प्रिट ऑफ कैपिटलिज्म

इकाई – 16. शक्ति व सत्ता

UGSY –1 04

समाजिक स्तरीकरण

सिद्धान्त तथा संकल्पनाएँ (खण्ड–1)

इकाई – 1. सामाजिक स्तरीकरण -I

(सामाजिक स्तरीकरण एवं विभेदीकरण)

इकाई – 2. सामाजिक स्तरीकरण -II

(सामाजिक स्तरीकरण के प्रकार्यवादी सिद्धान्त)

इकाई – 3. प्रस्थिति तथा वर्ग की संकल्पनाएँ

इकाई – 4. वर्ग तथा शक्ति की संकल्पनाएँ

इकाई – 5. शक्ति, प्रजाति, लिंग तथा स्तरीकरण

समाजों में स्तरीकरण (खण्ड–2)

इकाई – 6. पूर्व–आधुनिक समाजों में स्तरीकरण

इकाई – 7. आधुनिक समाजों में स्तरीकरण

इकाई – 8. व्यावसायिक क्रमविन्यास

इकाई – 9. विचारधारा तथा स्तरीकरण : श्रेणीबद्धता एवं समानता

सामाजिक गतिशीलता (खण्ड–3)

इकाई – 10. सामाजिक गतिशीलता : अवधारणा एवं मापन

इकाई – 11. पूर्व–आधुनिक समाजों में सामाजिक गतिशीलता

इकाई – 12. आधुनिक समाजों में सामाजिक गतिशीलता

इकाई – 13. व्यवसाय, शिक्षा एवं सामाजिक गतिशीलता

भारतीय समाज में स्तरीकरण (खण्ड–4)

इकाई – 14. जनजातीय समाजों में स्तरण

इकाई – 15. भारतीय समाज में जाति और समुदाय : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

इकाई – 16. वर्ण और जाति

इकाई – 17. सोपानात्मक व्यवस्था के रूप में जाति

DCESY- 101

समाज और धर्म

धर्म का अध्ययन (खण्ड–1)

इकाई – 1. समाजशास्त्र तथा धर्म का अध्ययन

इकाई – 2. धर्म के विकासवादी सिद्धांत

इकाई – 3. धर्म के प्रकार्यवादी सिद्धांत

इकाई – 4. धार्मिक विश्वासों का अध्ययन

इकाई – 5. धार्मिक प्रतीकों का अध्ययन

धर्म के परिपेक्ष्य (खण्ड–2)

इकाई – 6. अनुष्ठान का तुलनात्मक समाजशास्त्रीय सिद्धांत

इकाई – 7. अनुष्ठान - I अफ्रीका का एक केस अध्ययन

इकाई – 8. अनुष्ठान - II दक्षिण पूर्व एशिया का एक केस अध्ययन

इकाई – 9. नागरिक धर्म

इकाई – 10. धर्म एवं अर्थव्यवस्था

इकाई – 11. धर्म और राजनीति / राज्य

धर्म और उससे संबद्ध पक्ष (खण्ड–3)

इकाई – 12. धार्मिक संगठन : मत, पंथ और संप्रदाय

इकाई – 13. धार्मिक विशेषज्ञ : ओझा, पुरोहित और पैगम्बर

इकाई – 14. धर्म : सामाजिक स्थिरता और बदलाव

इकाई – 15. कट्टरपंथ : कुछ विशेष अध्ययन

इकाई – 16. धर्मनिरपेक्षता तथा धर्मनिरपेक्षीकरण

DCESY- 102

भारत में सामाजिक समस्याएँ

सामाजिक रूपरेखा खण्ड–1

इकाईयाँ	इकाई का नाम/शीर्षक का नाम
ईकाई– 01	समाजिक रूपांतरण और समस्याएँ
इकाई– 02	उपागम एवं रूपावली
इकाई– 03	सामाजिक समस्याएँ : भारतीय संदर्भ में

संरचना परिवर्तन खण्ड–2

इकाई– 04	सामाजिक जनसांख्यिकी
इकाई– 05	प्रवजन
इकाई– 06	नगरीकरण
इकाई– 07	बदलती पारिवारिक संरचना

संरचना परिवर्तन में –II खण्ड–3

इकाई– 08	बेरोजगारी
इकाई– 09	श्रम : औद्योगिक
इकाई– 10	श्रम (ग्रामीण)
इकाई– 11	श्रम : महिला श्रमिक
इकाई– 12	श्रम : बाल–श्रमिक

वंचन तथा परायेपन के स्वरूप खण्ड–4

इकाई– 13	निर्धनता तथा उसके सामाजिक प्रभाव
इकाई– 14	अपराध और अपचार
इकाई– 15	नशीले पदार्थो का व्यसन तथा मद्यपान
इकाई– 16	हिंसा और आतंकवाद

DCESY- 103

समाज एवं सामाजिक परिवर्तन

राजनीतिक संस्थाएं (खण्ड–1)

इकाई – 1. राज्य एवं सरकार

इकाई – 2. राजनीतिक दल, दवाब समूह, अभिरूचि समूह

इकाई – 3. शक्ति, सत्ता एवं प्रभुत्व

इकाई – 4. राजनीतिक संस्कृति एवं विकास एवं राजनीतिक गतिशीलता

संस्कृति और सभ्यता (खण्ड–2)

इकाई – 5. संस्कृति अवधारणा एवं विशेषताएं

इकाई – 6. सभ्यता : अवधारणा एवं विशेषताएं

इकाई – 7. भौतिक एवं अभौतिक संस्कृति, उपसंस्कृति, लोक संस्कृति, अभिजन संस्कृति

इकाई – 8. सांस्कृतिक विलम्बना, सांस्कृतिक एकीकरण एवं प्रसार

इकाई – 9. परसंस्कृति ग्रहण

सामाजिक संरचना (खण्ड–3)

इकाई – 10. संकल्पना एवं विशेषताएं एवं प्रकार्य

इकाई – 11. प्रस्थिति एवं भूमिका : प्रकार, प्रस्थितिपुंज, भूमिका पुंज एवं संघर्ष

इकाई – 12. प्रकार्यः दुर्खीम, रैडक्लिफ, मेलिनोवास्की, मर्टन

इकाई – 13. संरचना एवं प्रकार्य : अन्तर संबंध एवं समाजशास्त्रीय महत्व

इकाई – 14. सामाजिक स्तरीकरण

सामाजिक नियंत्रण, परिवर्तन और विकास (खण्ड–4)

इकाई – 15. सामाजिक नियंत्रण : परिभाषा, अभिकरण एवं प्रकार

इकाई – 16. सामाजिक विचलन और सामाजिक नियंत्रण

इकाई – 17. सामाजिक संकट एवं संघर्ष, संघर्ष निवारण

इकाई – 18. सामाजिक परिर्वतन : प्रतिमान, सिद्धांत एवं कारक

इकाई – 19. सामाजिक वृद्धि, प्रगति, सामाजिक उपविकास एवं विकास, सम्पूर्ण विकास

DCESY- 104

समाज एवं सामाजिक स्तरीकरण

भारत में जाति अध्ययन के उपागम (खण्ड–1)

इकाई – 1. सोपानात्मक व्यवस्था के रूप में जाति - I

इकाई – 2. जाति के गुण - धर्मात्मक उपागम - II

(गुण धर्म के आधार पर जाति का विश्लेषण)

इकाई – 3. जाति के अंतः क्रियात्मक उपागम - I

(लुई ड्यूमा के विचाार)

इकाई – 4. जाति के अंतः क्रियात्मक उपागम - II

इकाई – 5. जाति एवं गतिशीलता

इकाई – 6. पृथक्करण एवं अस्पृश्यता

भारतीय वर्ग संरचना (खण्ड–2)

इकाई – 7. कृषक वर्ग संरचना–भूस्वामी, पट्टेदार और श्रमिक

इकाई – 8. कृषक वर्ग संरचना और परिर्वतन।

इकाई – 9. नगरीय वर्ग संरचना- I : श्रमिक वर्ग

इकाई – 10. नगरीय वर्ग संरचना- II : मध्यम वर्ग

इकाई – 11. नगरीय वर्ग संरचना- III : उद्यमी वर्ग

इकाई – 12. अभिजन और शक्ति की असमानता

शिक्षा, सामाजिक गतिशीलता और सामाजिक परिवर्तन (खण्ड–3)

इकाई – 13. सामाजिक स्तरीकरण और शिक्षा

इकाई – 14. वर्गीय स्तरीकरण और सामाजिक गतिशीलता

इकाई – 15. सामाजिक स्तरीकरण और सामाजिक परिवर्तन